B.A. Part I
Paper IInd

22.8.20

लाभ अधिकतमकरण सिद्धांत :-
(Profit maximisation theories)

भूमिका (Introduction)

फर्म के नव-क्लासिकी सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य लाभ अधिकतमकरण रहा है। परंतु अधिकतर आनुभाविक प्रमाण फर्मों के अन्य उद्देश्यों की ओर संकेत करते हैं ~~जिसके~~ जैसे विक्रय अधिकतमकरण, उत्पादन अधिकतमकरण, संतुष्टि अधिकतमकरण, उपयोगिता अधिकतमकरण, आदि। इनमें से कुछ सिद्धांतों की विवेचना अगले अध्याय में की जाएगी। यह अध्याय फर्म के नव-क्लासिकी सिद्धांत और हाल-हिच तथा एंड्रयूज द्वारा पूर्ण लागत अथवा औसत लागत कीमत निर्धारण के रूप में इसके प्रथम शोधन का विवेचन करता है।

लाभ अधिकतमकरण सिद्धांत (Profit Maximisation theory)

फर्म के नव-क्लासिकी सिद्धांत में एक व्यावसायिक फर्म का मुख्य उद्देश्य लाभ अधिकतमकरण है। फर्म अपने लाभों को अधिकतम करती है जब वह दो नियमों को संतुष्ट करती है: (1) MC = MR और (2) MR वक्र को MC वक्र नीचे से काटता है। अधिकतम लाभों का अभिप्राय शुद्ध लाभों से है जो उत्पादन की औसत लागत से ऊपर आधिक्य होते हैं। ~~वह~~ यह वह राशि है जो उद्यमी के पास उत्पादन के सभी साधनों को भुगतान करने के बाद बचती है, जिसमें प्रबंधन की मजदूरी भी शामिल है। दूसरे शब्दों में, यह उसके सामान्य लाभों से ऊपर अवशिष्ट (residual) आय है। फर्म की लाभ अधिकतमकरण की शर्त को इस प्रकार भी व्यक्त किया जा सकता है:

Scanned by CamScanner

Maximise $\pi(Q)$

जहाँ $\pi(Q) = R(Q) - C(Q)$

जहाँ $\pi(Q)$ लाभ है, $R(Q)$ आगम, C लागतें, और Q उत्पादन की बेची गई इकाइयाँ। ऊपर वर्णित दोनों सीमांत नियम और लाभ अधिकतमकरण शर्त पूर्ण प्रतियोगिता फर्म और एकाधिकार फर्म दोनों पर लागू होते हैं।

पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत लाभ अधिकतमकरण (Profit Maximisation under Perfect Competition)

पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म के अनेक उत्पादकों में से एक होती है। वह वस्तु की मार्किट कीमत को प्रभावित नहीं कर सकती है। वह कीमत-लेने वाली (price taker) और मात्रा-समायोजक (quantity adjuster) होती है। वह केवल बेचे जाने वाली वस्तु के बारे में निर्णय ले सकती है जिसे वह मार्किट कीमत पर बेच सकती है। इसलिए पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म का MR वक्र बराबर होता है AR वक्र। MR वक्र x-अक्ष के समानांतर होता है क्योंकी कीमत मार्किट द्वारा निश्चित की जाती है और फर्म उस कीमत पर अपनी वस्तु की मात्रा बेच सकती है। इसलिए पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत फर्म का MR वक्र बराबर होता है AR वक्र। MR वक्र x-अक्ष के समानांतर होता है क्योंकी कीमत मार्किट द्वारा निश्चित की जाती है और फर्म उस कीमत पर अपनी वस्तु की मात्रा बेच सकती है। इस प्रकार फर्म संतुलन में होती है जब MC = MR = AR (कीमत)। लाभ अधिकतमकरण वाली फर्म का संतुलन चित्र 1 में दर्शाया गया है जहाँ MR वक्र को MC वक्र पहले बिंदु A पर काटता है। यह MC = MR की शर्त को पूरा करता है परंतु यह अधिकतम लाभ का बिंदु नहीं है

Scanned by CamScanner

क्योंकि A के बाद MC वक्र नीचे रहता है MR वक्र के। फर्म के लिए न्यूनतम उत्पादन OM लाभदायक नहीं है क्योंकि OM से अधिक उत्पादन करके फर्म अपेक्षाकृत अधिक लाभ उठा सकती है परंतु OM_1 पर पहुंचकर फर्म आगे उत्पादन बंद कर देगी। OM_1 उत्पादन का वह स्तर है जहाँ संतुलन की दोनों शर्तें पूरी हो जाती हैं। यदि फर्म OM_1 से अधिक उत्पादन करना चाहती है तो उसे हानि उठानी पड़ेगी क्योंकि संतुलन बिंदु B के बाद सीमांत लागत बढ़ जाती है। इस प्रकार फर्म अपने लाभ को M_1B कीमत पर तथा OM_1 उत्पादन स्तर पर अपने लाभों को अधिकतम करती है।

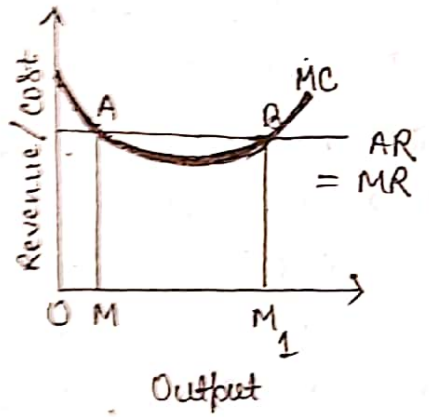

चित्र 1

एकाधिकार के अंतर्गत लाभ अधिकतमकरण (profit Maximisation in under Monopoly)

एकाधिकार में वस्तु का एक विक्रेता (अथवा उत्पादक) होने पर, एकाधिकार फर्म स्वयं उद्योग होती है। इसलिए इसका माँग वक्र ऊँचे और नीचे ढालू होता है, यह मानकर कि इसके ग्राहकों की रुचियां ~~की~~ और आमदनियां दी हुई हैं। वह कीमत बनाने वाली (price-maker) होती है जो अपने अधिकतम लाभ के लिए कीमत निश्चित कर सकती है। परंतु इसका यह अर्थ

Scanned by CamScanner

नहीं कि वह कीमत और उत्पादन की मात्रा दोनों ही निश्चित कर सकती है। परंतु इसका यह अर्थ नहीं कि वह कीमत और उत्पादन की मात्रा दोनों ही निश्चित कर सकती है। ~~परंतु इसका यह अर्थ नहीं कि वह कीमत और उत्पादन की मात्रा दोनों ही निश्चित कर स~~ यदि फर्म अपने उत्पादन स्तर को चुन लेती है, तो उसकी कीमत को उसकी वस्तु की मार्किट मांग निर्धारित करती है। अथवा, यदि वह अपनी वस्तु की कीमत निश्चित करती है, तो उसके उत्पादन का स्तर इस बात से निर्धारित होता है कि उपभोक्ता उस कीमत पर वस्तु की कितनी मात्राएं खरीदेंगे। स्थिति कुछ भी हो, एकाधिकार फर्म का अन्तिम उद्देश्य अपने लाभों को अधिकतम करना है। एकाधिकार फर्म की ~~संतुलन~~ संतुलन की शर्तें हैं: (1) MC = MR < AR (कीमत), और (2) MR वक्र को MC वक्र नीचे से काटता है।

चित्र 2 में लाभ अधिकतम करने का उत्पादन स्तर OQ है ~~व~~ और लाभ अधिकतम करने की कीमत OP है। यदि OQ से अधिक उत्पादन किया जाता है तो MR से MC अधिक होगी तथा लाभ का स्तर गिरेगा। यदि लागत और मांग की स्थितियाँ समान रहें तो फर्म को कीमत और उत्पादन परिवर्तित करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं होता है और फर्म संतुलन में होती है।

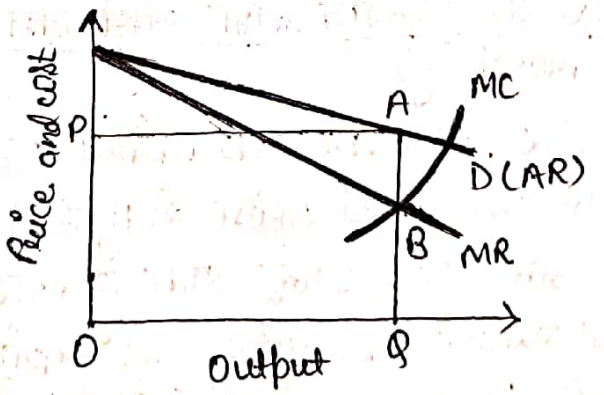

चित्र 2

Scanned by CamScanner